देश के स्कूलों में नामांकन दर में पिछड़ रहा एमपी

प्राइमरी स्तर पर नामांकन में 76 .3 % के साथ सबसे आखिर में मध्यप्रदेश

साक्षी केसरवानी

भोपाल, 08 मई. देशभर में स्थिति करीब 14 लाख 71 हजार स्कूलों में मौजूदा समय में नीति आयोग के द्वारा मई 2026 में जारी यूडीआईएसई से लिए गए डेटा पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार करीब 24 करोड़ 69 लाख छात्र छात्राएं स्कूलों में अध्ययनरत हैं.

वहीं अगर देश भर के ग्रॉस एनरोलमेंट रेशियो (सकल नामांकन दर) की बात करें तो प्राथमिक स्तर पर 5 सबसे अधिक दाखिला दर वाले राज्यों में मेघालय (180.7%) के साथ पहले, मणिपुर (140.5%) के साथ दूसरे, मिज़ोरम (138.0%)

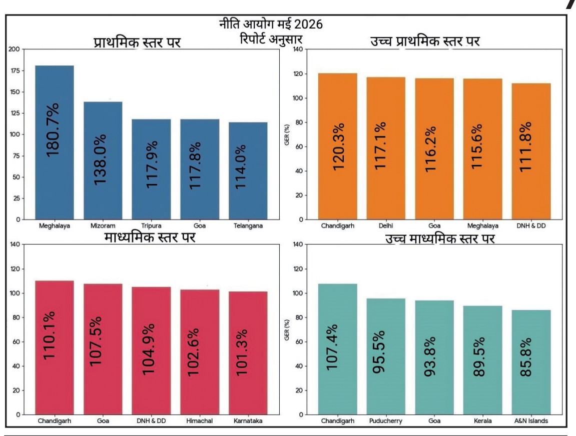

2024-25 में सबसे अधिक सकल नामांकन दर वाले राज्य (आंकड़े प्रतिशत में)

के साथ तीसरे, त्रिपुरा (117.9%)के साथ चौथे और गोवा (117.8%) के साथ पांचवें स्थान पर है. लेकिन मध्यप्रदेश इस सूची में 76.3% के साथ देश में सबसे नीचे है. बता दें वर्ष 2014 में मध्यप्रदेश में प्राथमिक स्तर पर स्कूलों में दाखिला दर 109.31% थी, जो 2024-25 में करीब 30.2 % तक गिर गई. इसके साथ ही उच्च प्राथमिक स्तर में चंडीगढ़ 120.3% देश में सबसे अधिक दाखिला दर वाला राज्य है जबकि मध्यप्रदेश में यह दर 81.8% है. जो कि 2014 में 98.24% थी, लेकिन यहां भी यह साल 2024-25 में करीब 16.44% की गिरावट दर्ज की है. वहीं माध्यमिक लेवल में भी मध्यप्रदेश में यह दर 78.84 से घटकर 68.2 प्रतिशत पर आ गई. जबकि उच्च माध्यमिक स्तर पर भी यह दर 59.86 प्रतिशत से घटकर साल 2024-25 में 45 प्रतिशत पर आ गई. इस रिपोर्ट के मुताबिक जहां एक तरफ देश भर में सकल नामांकन दर में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है, वहीं मप्र में इस दौड़ में पिछड़ता जा रहा है.

देश में सकल नामांकन दर (ग्रॉस एनरोलमेंट रेशियो)

स्तर	वर्ष(2014-15)	वर्ष(2024-25)
प्राथमिक (1-5)	106.55	90.0
उच्च प्राथमिक(6-8)	88.24	90.3
माध्यमिक(9-10)	75.68	78.7
उच्च माध्यमिक(11-12)	46.37	58.4

प्रदेश के स्कूलों में नामांकन दर (ग्रॉस एनरोलमैंट रेशियो)

स्तर	वर्ष(2014-15)	वर्ष(2024-25)
प्राथमिक (1-5)	109.3	76.3
उच्च प्राथमिक(6-8)	98.24	81.8
माध्यमिक(9-10)	78.84	68.2
उच्च माध्यमिक(11-12)	9.86	45.0

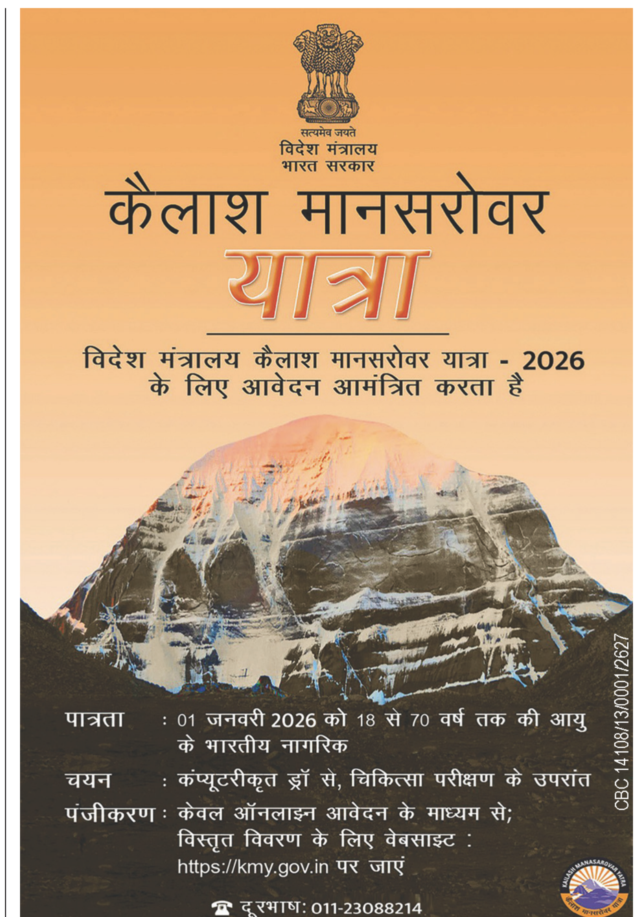

एक ही मंडप के नीचे 200 जोड़ों ने लिए सात फेरे

- सामूहिक विवाह समारोह में आदिवासी,
- वैदिक और बौद्ध रीति रिवाजों से हुई शादी

छिंदवाड़ा,8 मई. मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत नगर निगम द्वारा दशहरा मैदान में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया.

इस आयोजन में नगर निगम क्षेत्र, ग्रामीण अंचलों एवं मोहखेड़ क्षेत्र के कुल 200 जोड़ों ने भाग

लिया. विशेष बात यह रही कि सभी जोड़ों का विवाह उनकी-अपनी परंपराओं एवं रीति-रिवाजों के अनुसार एक ही पंडाल में संपन्न कराया गया. समारोह में आदिवासी, वैदिक, बौद्ध एवं अन्य परंपरागत विधि-विधानों से विवाह कराए गए, जिसने सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विविधता का सुन्दर उदाहरण प्रस्तुत किया.

कार्यक्रम की शुरुआत प्रात-8 बजे टाउन हॉल में जोड़ों के पंजीकरण के साथ हुई. यहां सभी जोड़ों एवं उनके परिजनों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई थी. इसके बाद पारंपरिक ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजों की धुन पर भव्य बारात निकाली गई. फूलों से सजे वाहन, पारंपरिक परिधानों में सजे दूल्हे और उत्साहित बारातियों ने नगर को उत्सवमय वातावरण में बदल दिया.

किसानों को 10403 .17 करोड़ का किया भुगतान

भोपाल, 8 मई. प्रदेश में गेहूं उपार्जन पर किसानों को 10403.17 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है. गेहूं का उपार्जन 23 मई तक होगा. अभी तक 9 लाख 38 हजार किसानों से 56 लाख 45 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है.

तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक तथा देयक जारी करने का समय रात 12 तक कर दिया गया है. गेहूं का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन सोमवार से शनिवार तक किया जाता है. प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल कांटों की संख्या में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिए जाने का निर्णय लिया गया. साथ ही एनआईसी सर्वर की क्षमता एवं संख्या में वृद्धि कराई गई. खाद्य विभाग द्वारा प्रति घंटा उपार्जन की मॉनीटरिंग की जा रही है.

सागर जिले में 80 किमी की रफ्तार से चली आंधी

भोपाल, 08 मई. मध्यप्रदेश में मौसम के दो अलग अलग मिजाज देखने को मिल रहे हैं. शुक्रवार को प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी और गरज चमक के साथ बारिश ने मौसम का रुख बदल दिया.

सबसे ज्यादा असर बुंदेलखंड और महाकौशल क्षेत्र में देखा गया. सागर में शुक्रवार को आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि यहां 80 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चलीं. वहीं जबलपुर में भी 56 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी ने जनजीवन को प्रभावित किया. मालवा और निमाड़ के कुछ हिस्सों में जहां हल्की बूंदाबांदी हुई वहीं ग्वालियर और चंबल संभाग में भी तेज हवाओं का दौर जारी रहा. मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में पश्चिमी और पूर्वी मध्यप्रदेश के कई जिलों में आंधी का असर रहा.

आजादी के बाद से पहली बार पहुंचेगी बिजली

ग्रामीणों के चेहरे खिले, विधायक बर्डे और सरकार का जताया आभार

पानसेमल,8 मई. विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बायगोर स्थित ग्राम मोगरापानी में नवीन विद्युतीकरण कार्य (डीपी व विद्युत खंभों) की स्थापना के लिए भूमि पुजन संपन्न हुआ. पहाड़ी अंचल में बसे इस ग्राम में पहली बार बिजली पहुंचने की खुशी को लेकर सुबह से ही उत्सव बना हुआ था.

विधायक श्याम बरडे के ग्राम आगमन पर ग्रामीणों ने ढोल-मांदल, पारंपरिक नृत्य एवं पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया. विधायक एवं जनप्रतिनिधियों ने रैली के बाद भूमि पुजन किया. ग्रामीणों ने इस उपलब्धि पर नाचते-गाते हर्षोल्लास के साथ अभिनंदन किया. कार्यक्रम का शुभारंभ पुजन से किया गया.

ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने पहली बार ऐसा जनप्रतिनिधि देखा है, जो लगातार दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों में पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनते हैं और उनका निराकरण भी करते हैं. विधायक द्वारा विधानसभा में कराए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी उन्हें समाचार एवं मोबाईल से मिलती रहती है. इस अवसर पर ग्रामीणों ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम के बाद विधायक श्याम बरडे ग्राम पंचायत बायगोर अंतर्गत कम्बीपानी (कम्बी फलिया) पहुंचे. जहां उन्होंने ग्रामीणों की पेयजल समस्या का जायजा लिया.

निरंतर हो रहा है सुविधाएं पहुंचाने का कार्य

विधायक श्याम बरडे ने कहा कि देश के पीएम नरेंद्र मोदी एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम, मंजरे टोले तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में आजादी के बाद से बिजली, सडक़, पुल-पुलिया, स्कूल भवन एवं पेयजल जैसी सुविधाएं नहीं पहुंच सकी थी. वहां विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पहुंचाया जा रहा है.

कटनी अब डोलोमाइट के खनन के लिए भी तैयार

माइनिंग कैपिटल के रूप में उभर रहा कटनी

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 8 मई. मप्र का कटनी जिला देश के महत्वपूर्ण खनिज एवं औद्योगिक केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है. चूना पत्थर, बॉक्साइट, लौह अयस्क, मार्बल और लेटराइट जैसे बहुमूल्य खनिजों से समृद्ध कटनी अब स्वर्ण अयस्क के साथ ही डोलोमाइट के विशाल भंडार खनन के लिये तैयार हैं.

कटनी के बड़ेरा एवं बचरबाड़ा में 50 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्र में तीन बड़े डोलोमाइट ब्लॉक्स को माइनिंग कॉर्पोरेशन के पक्ष में आरक्षित किया गया है. इस निर्णय से कटनी में खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार को नई गति मिलेगी. इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब कटनी माइनिंग कैपिटल के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि कटनी केवल चूना नगरी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह खनिज आधारित औद्योगिक विकास, निवेश, रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खनिज संपदा के

वैज्ञानिक, पारदर्शी और जनहितकारी उपयोग के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी को कनकपुरी अर्थात स्वर्ण नगरी के रूप में विकसित करने की परिकल्पना को विशेष महत्व दिया है. उन्होंने कहा कि कटनी की धरती केवल खनिज संपदा का भंडार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की औद्योगिक प्रगति और आर्थिक शक्ति का नया आधार बन रही है.

बेहतर कार्य करने वाले वेंडर होंगे सम्मानित

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य किया जा रहा है. सरकार पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का कार्य प्रतिबद्धतापूर्वक कर रही है. प्रबंध संचालक, मप्र ऊर्जा विकास निगम अमनबीर सिंह बैंस ने बताया कि निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडरों को सम्मानित किया जाएगा. एमडी बैंस ने कहा कि जो वेंडर अपना कार्य ठीक प्रकार से नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी. बैंस ने विगत दिनों भोपाल मुख्यालय में प्रगति की समीक्षा कर सभी वेंडर्स कार्य में आने वाली दिक्कतों के बारे में जानकारी ली. उन्होंने बताया कि कार्य क्षेत्र में आने वाली सभी समस्याओं का समय रहते समाधान किया जाएगा जिससे कि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में हासिल किया जा सके.

प्रदेशव्यापी अभियान में मादक पदार्थ जब्त

83 लाख से अधिक के मादक पदार्थ और वाहन जब्त

विशेष संवाददाता

भोपाल, 08 मई. मध्यप्रदेश पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, भंडारण और बिक्री के खिलाफ प्रदेशव्यापी अभियान तेज करते हुए पिछले एक सप्ताह में विभिन्न जिलों में कार्रवाई कर 83 लाख रुपए से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ और वाहन जब्त किए हैं. इन कार्रवाइयों में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है.

सबसे बड़ी कार्रवाई मंदसौर जिले में सामने आई, जहां कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी

को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 500 ग्राम एमडी ड्रग्स और 500 ग्राम अफीम बरामद की. पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी ने मादक पदार्थों को पानी की विद्युत मोटर की बॉडी के भीतर छिपा रखा था ताकि पुलिस की नजर से बचा जा सके. इस कार्रवाई में करीब 51.72 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की गई.

मंदसौर के भानपुरा क्षेत्र में एक अन्य कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक विधि-विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लेकर 27 किलोग्राम एसिटिक एनहाइड्राइड और एक मोटरसाइकिल जब्त की. यह रसायन अवैध मादक पदार्थों के निर्माण में उपयोग किया जाता है. दोनों मामलों में कुल जब्ती 52.82 लाख रुपए से अधिक रही.

नीमच जिले के मनासा थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध ट्रैक्टर-ट्रॉली से 30 प्लास्टिक कट्टों में भरा 6 क्विंटल 1 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद किया. जब्त वाहन और मादक पदार्थों की कीमत 22 लाख रुपए से अधिक बताई गई है.

बाड़े में घुसकर तेंदुए ने बैल का किया शिकार

धार. मध्यप्रदेश में धार जिले के बाग क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बानदा के मावड़ियापुरा में एक तेंदुए ने बाड़े में घुसकर बैल का शिकार कर लिया. घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है. वन विभाग सूत्रों के अनुसार गुरुवार रात ग्रामीण कनसिंह ने अपने घर के सामने बने बाड़े में बैल बांध रखा था. देर रात तेंदुआ बाड़े में घुस गया और बैल की गर्दन दबोचकर उसे मार डाला. बैल की आवाज सुनकर जब कनसिंह बाहर निकले तो उन्होंने तेंदुए को बैल पर हमला करते देखा. भय के कारण वह वापस घर के अंदर चले गए. मकान बस्ती से दूर होने के कारण समय पर अन्य ग्रामीण मदद के लिए नहीं पहुंच सके.

भीषण गर्मी से बचने चलाया अभियान

83 लाख से अधिक के मादक पदार्थ और वाहन जब्त

भोपाल, 08 मई. राजधानी में बढ़ती गर्मी को मद्देनजर रखते हुये भोपाल मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डॉ अजय डोगरा के नेतृत्व में रेलकर्मियों के स्वास्थ्य संरक्षण और जागरूकता के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जा रहा है.

अभियान के अंतर्गत मंडल के विभिन्न स्थानों पर कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सहायता और परामर्श प्रदान किए जा रहे हैं. भोपाल मंडल चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा गार्ड और

ड्रायवर लॉबी सहित भोपाल, बीना, इटारसी, गुना, शाजापुर और हरदा सेक्शन के विभिन्न रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों के साथ रेलवे ट्रैक पर कार्यरत कर्मचारियों को ओ.आर.एस. के पैकेट वितरित किए जा रहे हैं. साथ ही कर्मचारियों को गर्मी एवं लू से बचाव के उपायों की जानकारी देकर जागरूक भी किया जा रहा है. इसके अतिरिक्त आवधिक चिकित्सा परीक्षण के लिये रेल चिकित्सालय में आने वाले रनिंग स्टाफ को भी स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श दिए जा रहे हैं. साथ ही सभी को पानी पीने, धूप से बचाव को सिर ढककर रखने, समय-समय पर विश्राम करने और शरीर में पानी की कमी नहीं होने देने की सलाह दी जा रही है.

लापरवाही जीतू पटवारी ने सरकार को घेरा

जल जीवन मिशन में बड़े घोटाले का आरोप

विशेष संवाददाता

भोपाल, 08 मई. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने जल जीवन मिशन को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में "हर घर नल से जल" योजना भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ गई है. उन्होंने देवास जिले के चिरावत गांव की स्थिति को इसका बड़ा उदाहरण बताया.

भोपाल में मीडिया से चर्चा करते हुए पटवारी ने कहा कि कागजों में "आदर्श ग्राम" घोषित चिरावत गांव आज भी भीषण पेयजल संकट से जूझ रहा है.

गांव की महिलाओं और बच्चों को दूर-दराज के खेतों और अन्य स्थानों से डिब्बों में पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि यह स्थिति केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना की "जमीनी हकीकत" उजागर करती है.

पटवारी ने याद दिलाया कि वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री ने घोषणा की थी कि वर्ष 2024 तक हर ग्रामीण परिवार को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा. उन्होंने आरोप लगाया कि योजना के लिए हजारों करोड़ रुपये स्वीकृत होने के बावजूद अनेक गांवों में पाइपलाइन अधूरी पड़ी हैं, पानी की टंकियां बंद हैं और नलों में पानी नहीं पहुंच रहा है.

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि चिरावत गांव से सामने आए एक वीडियो में महिलाएं और बच्चे पानी के लिए संघर्ष करते दिखाई दे रहे हैं, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में योजना को पूर्ण बताया गया है. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के कई जिलों में घटिया निर्माण, क्षतिग्रस्त ढांचे और भुगतान में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं.

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जल संकट से प्रभावित गांवों का तत्काल सर्वे कराने, जल जीवन मिशन के तहत हुए कार्यों की स्वतंत्र जांच कराने तथा कथित वित्तीय अनियमितताओं में शामिल अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग की है.

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से महिला की मौत

भिण्ड. मध्यप्रदेश में भिण्ड जिले के असवार थाना क्षेत्र में आज शुक्रवार को ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट जाने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए. पुलिस सूत्रों के अनुसार चोरई-सेवढ़ा मार्ग पर जैतपुरा पुलिया के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे ट्रॉली सड़क किनारे खाई में जा गिरी. ट्रॉली में महिलाएं, बच्चे और ग्रामीण सवार थे, जो भागवत कथा की कलश यात्रा के लिए सिंध नदी से जल लेने जा रहे थे. इकमिली गांव में बघेल पाल समाज द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है. कलश यात्रा के लिए ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर सेवढ़ा स्थित सनकुआ घाट जा रहे थे.

ईपीएफ पेंशन निर्धारण के प्रस्ताव का कर्मचारी संघ ने किया विरोध

विशेष संवाददाता

भोपाल, 08 मई. मंत्रालय सेवा अधिकारी/कर्मचारी संघ ने ईपीएफ पेंशन योजना के अंतर्गत पेंशन निर्धारण को पूरे सेवाकाल के औसत वेतन के आधार पर तय किए जाने के प्रस्तावित फार्मूले का कड़ा विरोध किया है.

संघ के अध्यक्ष इंजी. सुधीर नायक ने इसे कर्मचारी विरोधी और अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा कि यह व्यवस्था श्रमिकों के हितों के खिलाफ है. उन्होंने कहा कि पेंशन को बचत योजना के रूप में नहीं, बल्कि मानवीय और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े विषय के रूप में देखा जाना चाहिए. उनके अनुसार पेंशन पर होने वाला व्यय कर्मचारियों के

कल्याण में निवेश है, न कि अनुपयोगी खर्च. नायक ने कहा कि अब तक अधिकांश पेंशन योजनाओं में अंतिम वेतन अथवा सेवा के अंतिम वर्ष के औसत वेतन के आधार पर पेंशन निर्धारित करने की परंपरा रही है. इसके विपरीत पूरे सेवाकाल के औसत वेतन के आधार पर पेंशन तय करना सामंती और श्रमिक विरोधी मानसिकता को दर्शाता है. उन्होंने सभी श्रमिक एवं कर्मचारी संगठनों से एकजुट होकर प्रस्तावित व्यवस्था का विरोध करने का आह्वान किया.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14